भारत सरकार
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारां कत प्रश्न सं.**196**
दिनांक **03** फरवरी**, 2020**

उत्तर-पूर्व गैस पाइप लाइन ग्रड

196. श्री सय्यद ईमत्याज ज़लीलः
श्री रेबती त्रिपुराः
श्री असादुद्दीन ओवैसीः

क्या पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कः

(क) क्या सरकार ने उत्तर-पूर्व गैस पाइप लाइन ग्रड को अनुमोदित कया है**,** यदि हां**,** तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा उत्तर-पूर्व क्षेत्र के कौन-कौन से राज्य हैं जिनसे होकर यह पाइप लाइन गुजरेगी**;**

(ख) इस संयुक्त उद्यम में संलग्न सार्वजनिक क्षेत्र के यूनिटों का ब्यौरा क्या है**;**

(ग) क्या इन परियोजनाओं की परियोजना लागत को देखते हुए उपभोक्ताओं की कम संख्या के कारण कंसोर्टियम ने व्यवहार्य नहीं पाया है**,** और यदि हां**,** तो सरकार द्वारा कुल कतनी नि ध का वत्तपोषण कए जाने की संभावना है तथा सरकार द्वारा अब तक संस्वीकृत कुल रा श कतनी है**;**

(घ) उत्तर-पूर्व क्षेत्र में इन परियोजनाओं द्वारा कस सीमा तक सीएनजी**,** पीएनजी और तेल की सुगम आपूर्ति सुनिश्चित करने की संभावना है और त्रिपुरा सहित उत्तर-पूर्व राज्यों को इस पाइप लाइन ग्रड परियोजना से प्राप्त होने वाले लाभों का ब्यौरा क्या है तथा इस परियोजना पर कार्य कब तक शुरू तथा पूरा कया जाएगा**;** और

(ङ) तेल और गैस की आपूर्ति के लए उत्तर पूर्व में चल रही अन्य परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है**?**

उत्तर
पेट्रो लयम और प्राकृतिक गैस मंत्री
(श्री धर्मेन्द्र प्रधान)

(क) से (ग) : सरकार ने 9,265 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत के 60% (5,559 करोड़ रुपए) के व्यवहार्यता में कमी संबंधी निधीयन (वीजीएफ)/पूंजी अनुदान से इंद्रधनुष गैस ग्रड ल मटेड (आईजीजीएल) की पूर्वोत्तर गैस ग्रड परियोजना को अनुमोदित कर दिया गया है। यह 1,656 क.मी. लंबा पूर्वोत्तर गैस ग्रड 8 पूर्वोत्तर राज्यों अर्थात अरुणाचल प्रदेश, असम, म णपुर, मेघालय, मजोरम, नगालैंड, त्रिपुरा और सक्किम को जोड़ेगा। मैसर्स आईजीजीएल तेल और गैस के 5 केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों अर्थात इं डयन ऑयल

कार्पोरेशन ल., ऑयल इं डया ल मटेड, ऑयल एंड नेचुरल गैस कर्पोरेशन ल., गेल (इं डया) ल मटेड और नुमालीगढ़ रिफाइनरी ल मटेड की एक संयुक्त उद्यम कंपनी है।

(घ) : देश के पूर्वोत्तर हिस्से में प्राकृतिक गैस ग्रड की स्थापना से देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में गैस आधारित अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में मदद मलेगी। इस परियोजना से देश के पूर्वोत्तर हिस्से में उर्वरक क्षेत्र, वद्युत क्षेत्र, सीजीडी नेटवर्क, रिफाइनरियों तथा औद्यो गक और वा णज्यिक संस्थापनाओं को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति की जाएगी। इसके अलावा, पाइपलाइन परियोजना के मार्ग पर पड़ने वाले पूर्वोत्तर राज्यों में सीजीडी नेटवर्कों के वकास से इन शहरों के परिवारों को पीएनजी और सीएनजी उपलब्ध होगी और एक बड़ी आबादी इसके तहत कवर हो जाएगी। इससे म ी तेल, लकड़ी, एलपीजी, पेट्रोल/डीजल के प्रयोग में भी कमी होगी और अन्य बातों के साथ-साथ प्रदूषण में कमी होने से क्षेत्र के लोगों का जीवन स्तर भी बेहतर हो जाएगा। परियोजना के कार्यकलाप चल रहे हैं और इसमें शा मल प्रशासनिक, पर्यावरण संबंधी, भू म तथा भूभाग से जुड़े मुद्दों को ध्यान में रखते हुए इस परियोजना के पूरे होने की निश्चित तारीख इस समय नहीं बताई जा सकती है।

(ड.) : पूर्वोत्तर गैस ग्रड पाइपलाइन परियोजना के अलावा तेल और गैस कंपनियों द्वारा अनेक ढांचागत परियोजनाएं शुरू की गई है जिनमें अन्य के साथ-साथ गैस पाइपलाइन, गैस कंप्रेशर स्टेशन्स, सैकंडरी टैंक फार्म परियोजना, रिफाइनरी परियोजनाएं, पेट्रो लयम उत्पाद डपो तथा एलपीजी भरण संयंत्र शा मल हैं।

****